



# हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

## Central University of Himachal Pradesh

धौलाधार परिसर-1, धर्मशाला, जिला-कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश – 176215

DHAULADHAR CAMPUS-1, DHARAMSHALA, DISTRICT KANGRA, HIMACHAL PRADESH –176215

Phone No. 01892-229574; Fax No. 01892-229331; E-mail: [registrar.cuhp@gmail.com](mailto:registrar.cuhp@gmail.com)

### प्रेस नोट

दिनांक-23.9.2022

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अंग्रेजी की अनिवार्यता नहीं: मुकुल कानिटकर

### शिक्षा प्राप्ति का माध्यम आम जनमानस की अपनी भाषा हो - राज्यपाल

#### हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

**धर्मशाला।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा के माध्यम में मातृभाषा की अनिवार्यता पर बल देती है। मातृभाषा में प्रारम्भिक शिक्षा देश में ऐसी शिक्षा व्यवस्था का निर्माण करेगी जो उर्वर मस्तिष्क की रचना करेगी ना कि छात्रों को नोट छापने की मशीन बनाएगी। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विश्व के शीर्ष सौ विश्वविद्यालय भारत में अपने केंद्र स्थापित करेंगे, वहीं भारत के शीर्ष सौ विश्वविद्यालय दुनिया के अलग देशों में अपने केंद्र स्थापित करेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक राष्ट्रीय पहल है जो ग्राम को महानगरों तक, हाशिये से शीर्ष तक और गरीब से अमीर वर्ग तक समान शिक्षा व सकारात्मक विचारों को गति देती है। यह नीति क्षेत्रीय भाषा बोलियों को प्राथमिकता देने का कार्य करती है। शिक्षा के लिए आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना, समान अवसर प्रदान करना तथा प्रत्येक वर्ग की प्रतिभा को उचित मंच प्राप्त हो इसका विशेष ध्यान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में रखा गया है। उपरोक्त बातें हिंदी विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय तथा संपर्क विभाग, भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर ने कहीं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अंग्रेजी की अनिवार्यता को अस्वीकार किया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमें औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने का काम करेगी। यह नीति स्वजागरण का काम करेगी। भारतीय शिक्षण मंडल तथा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह संगोष्ठी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से भारत के पारंपरिक पठन-पाठन की विधि एवं शिक्षण प्रणाली को न केवल गतिशील बनाएगी अपितु उच्च शिक्षण संस्थानों में मानव कौशल के लिए आवश्यक तत्त्वों के सृजन हेतु बल प्रदान करेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी भाषा में शिक्षा व शोध भारत को पुनः विश्वगुरु के पद पर आसीन करेगा। संगोष्ठी में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: हिंदी

एवं भारतीय भाषाओं के विकास के लिए वरदान' विषय पर विद्वानों ने अपने मत रखे। यह कार्यक्रम 23, 24, 25 सितम्बर तक चलेगा। उद्घाटन समारोह में धन्यवाद ज्ञापन भाषा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. नंदूरी राज गोपाल ने किया। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षण मंडल के सह संगठन मंत्री शंकरानंद, केंद्रीय विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रो. कुलभूषण चंदेल, हिंदी विभाग से डॉ. ओम प्रकाश प्रजापति, डॉ. चन्द्रकांत सिंह, डॉ. प्रीति सिंह, भारतीय शिक्षण मंडल के विभिन्न प्रांत से आए सम्पर्क अधिकारी समेत विश्वविद्यालय के सभी विभागों से प्राचार्यगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## **Hindi has the power to lead the country as world leader : Rajender Vishavnath Arlekar**

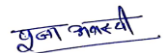
**Dharamshala.** On Thursday, a three days national conference on the topic 'Rastriya shiksha niti 2020: Hindi avam bhartiya bhashaon ke vikas ke liye vardaan' started under the joint aegis of Department of Hindi, Central University of Himachal Pradesh and Sampark Vibhag, Bhartiya Shikshan Mandal. The Honourable Governor of Himachal Pradesh Sh. Rajender V Aarlekar was the chief guest of the event.

On the occasion, Vice Chancellor of Central University of Himachal Pradesh Prof. Sat Prakash Bansal welcomed all the guest, faculty members and students to event. In his speech, he focused on the importance of our mother languages in the success of life.

The events continues with the speech by chief guest of event, Honorable Governor of Himachal Pradesh Sh. Rajender Vishavnath Arlekar. In his speech he noted that many developed countries uses their native language in daily routine which is the main reason for their development, he further continued his words that if we adopt our mother tounge in our daily work routine then we can achieve the legacy of world leader.

The chief speaker of the event Sh. Mukul Karnitkar addressed all the members on the main points of National education policy, he started his speech with the example of Laxmana from epic Ramayana and further continued his words and mentioned the values of Hindi language in National Education Policy. He told that if we adopt Hindi in our education then we can be the 'Vishav Guru' in future because our mother tounge has the power to achieve legacy in world.

Dr. Nanduri Rajgopal, the Dean of language School in Central University of Himachal Pradesh gave the vote of thanks at the end of event. He thanked all the guests for their presence in event and congratulate all the students and faculty members for organising a successful event.



जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ)  
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला